

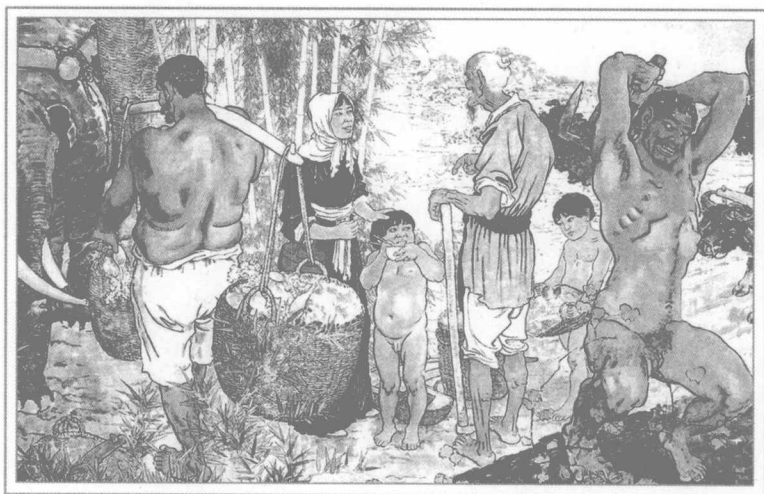


徐悲鸿 绘

中國寓言故事

新课标研究组◎编著

吉林出版集团有限责任公司



徐悲鸿 绘

中國寓言故事

新课标研究组◎编著

吉林出版集团有限责任公司

图书在版编目(CIP)数据

中国寓言故事 / 新课标研究组编著. — 长春: 吉林出版集团有限责任公司, 2010.2

ISBN 978-7-5463-2238-4

I. ①中… II. ①新… III. ①寓言 - 作品集 - 中国 IV. ①I277.4

中国版本图书馆CIP数据核字(2010)第013139号

书 名: 中国寓言故事
著 者: 新课标研究组
责任编辑: 韩 笑
封面设计: 点石堂
出 版: 吉林出版集团有限责任公司
地 址: 长春市人民大街4646号(130021)
印 刷: 北京密云红光印刷厂
开 本: 787mm × 1092mm 1/16
印 张: 20
版 次: 2010年4月第1版
印 次: 2010年4月第1次印刷
书 号: ISBN 978-7-5463-2238-4
定 价: 22.00元

(如有缺页或倒装, 发行部负责退换)

目录



先秦寓言

- | | | | |
|----|--------|----|-------|
| 3 | 踩着虎尾 | 12 | 楚人学齐语 |
| 3 | 羝羊触藩 | 12 | 日攘一鸡 |
| 3 | 蹊田夺牛 | 13 | 王良驾车 |
| 3 | 雄鸡断尾 | 14 | 贪吝失徒 |
| 4 | 救火与放火 | 14 | 鹏程万里 |
| 4 | 楚王好细腰 | 15 | 越俎代庖 |
| 5 | 勾践好战士 | 16 | 不皴手药 |
| 5 | 击邻家之子 | 17 | 丽姬悔泣 |
| 6 | 丝与染缸 | 17 | 罔两问影 |
| 6 | 多言何益 | 18 | 庄周梦蝶 |
| 7 | 弈秋诲弈 | 18 | 庖丁解牛 |
| 7 | 以邻为壑 | 20 | 拊马不时 |
| 8 | 拔苗助长 | 20 | 驼背之乐 |
| 8 | 冯妇攘臂 | 21 | 相濡以沫 |
| 9 | 乞食坟间 | 21 | 凿开七窍 |
| 10 | 五十步笑百步 | 22 | 臧谷亡羊 |
| 11 | 以羊易牛 | 22 | 肱篋探囊 |
| 11 | 校人烹鱼 | 23 | 盗亦有道 |



中国寓言故事

- | | | | |
|----|--------|----|-------|
| 23 | 抱瓮老人 | 41 | 触蛮之争 |
| 24 | 轮扁斫轮 | 42 | 鲁莽灭裂 |
| 25 | 已陈刍狗 | 42 | 涸辙之鱼 |
| 26 | 东施效颦 | 43 | 任公垂钓 |
| 26 | 望洋兴叹 | 44 | 神龟被困 |
| 27 | 井底之蛙 | 45 | 随珠弹雀 |
| 28 | 邯郸学步 | 45 | 畏影恶迹 |
| 29 | 鹬蚌与鸥 | 46 | 屠龙之术 |
| 29 | 濠梁观鱼 | 46 | 舔痔结驷 |
| 30 | 骷髅入梦 | 47 | 探骊得珠 |
| 31 | 鲁王养鸟 | 47 | 牺牛衣食 |
| 32 | 佝偻承蜩 | 48 | 杞人忧天 |
| 33 | 纪渚训鸡 | 49 | 国氏善盗 |
| 33 | 蹈水之道 | 50 | 海上鸥鸟 |
| 34 | 鬼斧神工 | 51 | 朝三暮四 |
| 35 | 山木与雁 | 51 | 尹氏与役夫 |
| 36 | 林回弃璧 | 53 | 燕人还国 |
| 36 | 腾猿处势 | 54 | 愚公移山 |
| 37 | 逆旅二妾 | 55 | 夸父追日 |
| 38 | 鲁国少儒 | 56 | 两小儿辩日 |
| 39 | 真正的图画家 | 56 | 薛谭学歌 |
| 39 | 伯昏教射 | 57 | 韩娥善歌 |
| 40 | 运斧成风 | 57 | 高山流水 |
| 41 | 吴王遇猴 | 58 | 纪昌学射 |



- | | | | |
|----|-------|----|---------|
| 59 | 造父习御 | 75 | 黄公谦卑 |
| 61 | 田夫献曝 | 76 | 野鸡与凤凰 |
| 61 | 列子学射 | 76 | 田父得玉 |
| 62 | 三年雕叶 | 77 | 涓蜀梁疑鬼 |
| 62 | 施孟两家 | 78 | 蒙鸠为巢 |
| 64 | 道见桑妇 | 78 | 曾子食鱼 |
| 64 | 兰子献技 | 79 | 欹器 |
| 65 | 九方皋相马 | 79 | 武公亲胡 |
| 66 | 遇盗之戒 | 80 | 智子疑邻 |
| 67 | 不食盗食 | 80 | 弥子瑕失宠 |
| 68 | 歧路亡羊 | 81 | 和氏璧 |
| 69 | 杨布打狗 | 82 | 讳疾忌医 |
| 69 | 不死之道 | 83 | 子罕不受玉 |
| 70 | 放生即杀生 | 84 | 心不在马 |
| 70 | 万物平等 | 84 | 战胜故肥 |
| 71 | 岂辱马医 | 85 | 智伯索地 |
| 71 | 拾得遗契 | 86 | 涸泽之蛇 |
| 72 | 枯梧不祥 | 86 | 老马与蚁 |
| 72 | 失斧疑邻 | 87 | 不死之药 |
| 73 | 齐人攫金 | 88 | 乐羊食子 |
| 73 | 盗盗殴殴 | 88 | 所长无用 |
| 74 | 老人命名 | 89 | 拔杨容易栽杨难 |
| 74 | 周人卖朴 | 89 | 卫人教女 |
| 75 | 宣王好射 | 90 | 走为上策 |



- | | | | |
|-----|------|-----|--------|
| 90 | 肿膝难任 | 105 | 狗猛酒酸 |
| 91 | 许由出逃 | 106 | 自相矛盾 |
| 91 | 三虱相讼 | 106 | 守株待兔 |
| 92 | 卖宅避悍 | 107 | 网开三面 |
| 92 | 逃亡途中 | 107 | 号称“正直” |
| 93 | 以死求生 | 108 | 割肉自啖 |
| 94 | 侏儒梦灶 | 108 | 逐臭之夫 |
| 94 | 三人成虎 | 109 | 唇亡齿寒 |
| 95 | 藏裤不赏 | 110 | 野兽合作 |
| 96 | 滥竽充数 | 111 | 表水涉澶 |
| 96 | 掩鼻计 | 111 | 刻舟求剑 |
| 97 | 厨官上炙 | 112 | 其父善游 |
| 98 | 买椟还珠 | 112 | 以不解解之 |
| 98 | 射稽唱歌 | 113 | 知人不易 |
| 99 | 棘刺母猴 | 114 | 邓析说溺 |
| 100 | 郑人争年 | 114 | 强夺缁衣 |
| 101 | 画鬼最易 | 115 | 梦中受辱 |
| 101 | 卜妻为婢 | 115 | 次非杀蛟 |
| 102 | 卜妻放鳖 | 116 | 窥井自照 |
| 102 | 不识车轭 | 117 | 黎丘丈人 |
| 103 | 郢书燕说 | 118 | 凿井得人 |
| 103 | 郑人买履 | 118 | 三豕过河 |
| 104 | 曾子杀彘 | 119 | 掩耳盗钟 |
| 105 | 盗刖相夸 | 119 | 回生之术 |



- | | | | |
|-----|-------|-----|-------|
| 120 | 生木造屋 | 127 | 伯乐怜马 |
| 120 | 良狗捕鼠 | 128 | 南辕北辙 |
| 121 | 曾参杀人 | 129 | 千金买马首 |
| 121 | 恒思神树 | 130 | 马价十倍 |
| 122 | 邹忌比美 | 130 | 鹬蚌相争 |
| 123 | 海大鱼 | 131 | 晏子之御 |
| 123 | 画蛇添足 | 131 | 过江为枳 |
| 124 | 土偶与桃梗 | 132 | 大鹏与焦冥 |
| 125 | 疾犬与狡兔 | 133 | 鱗鲂之辨 |
| 125 | 不嫁与不宦 | 134 | 中州之蜗 |
| 126 | 狐假虎威 | 134 | 曲高和寡 |
| 126 | 惊弓之鸟 | | |



两汉寓言

- | | | | |
|-----|-------|-----|-------|
| 137 | 屠牛吐辞婚 | 142 | 叶公好龙 |
| 137 | 相人之友 | 142 | 中天台 |
| 138 | 泽中野鸡 | 143 | 师旷劝学 |
| 138 | 嗟来之食 | 144 | 择人而树 |
| 139 | 有符于中 | 145 | 任人与任力 |
| 140 | 宓子论过 | 145 | 六翻与腹囊 |
| 140 | 喜鹊搬家 | 146 | 螳螂捕蝉 |
| 141 | 塞翁失马 | 147 | 白龙鱼服 |
| 141 | 反裘负刍 | 147 | 曲突徙薪 |



中國寓言故事

148 猫头鹰搬家

148 羊蒙虎皮

148 司原猎豕

149 鸡犬皆仙

150 未尝一遇

150 大鱼吞钩

151 东食西宿

151 鲍君神



魏晉南北朝寓言

155 截竿进城

155 魏人钻火

156 讳不识字

156 名读书

156 遣妇

157 人云亦云

157 一毛不拔

158 一叶障目

159 煮箠

159 移席纳凉

160 海龟和红蚁

161 与狐谋皮

161 尝庵婆罗果

162 夫妇食饼

162 口诵乘船法

163 三重楼

164 杀群牛

164 说人喜瞋

165 咽米决口

166 医生与王女

166 愚人食盐

167 欲食半饼

167 对牛弹琴

168 折箭训子

168 杯弓蛇影

169 千万买邻

169 越鬼楚燕

170 富者乞羊

170 公输刻凤

171 车翻豆覆

171 拉船与摇橹

172 刺猬与橡壳



唐宋寓言

- | | | | |
|-----|-------|-----|---------|
| 175 | 啮镞法 | 189 | 措大吃饭 |
| 175 | 狮王与豺狼 | 190 | 非其父不生其子 |
| 176 | 老不中书 | 191 | 蛤蟆 |
| 177 | 哀溺文 | 191 | 好大说者 |
| 178 | 蛭蝻 | 192 | 龙蛙喜怒 |
| 178 | 临江之麋 | 193 | 齐王赐药 |
| 179 | 黔之驴 | 194 | 肉食者鄙 |
| 180 | 永州之鼠 | 195 | 一蟹不如一蟹 |
| 181 | 罟说 | 195 | 营丘书生 |
| 181 | 憎王孙 | 197 | 秀才康了 |
| 183 | 河豚之死 | 197 | 痴人说梦 |
| 183 | 大鲸 | 198 | 鹤亦败道 |
| 184 | 枕箴而死 | 198 | 飞蛾扑火 |
| 184 | 招龙 | 199 | 二叟同钓 |
| 186 | 熟能生巧 | 200 | 墨鱼自蔽 |
| 186 | 乘隙 | 200 | 义鹊 |
| 187 | 恃胜失备 | 201 | 秦士好古 |
| 188 | 作贼心虚 | 202 | 更渡一遭 |
| 188 | 日喻 | 202 | 售胝足之药 |
| 189 | 桃符与艾人 | | |

 元明清寓言

205	囫圇吞枣	221	九头争食
205	良桐之琴	221	师旷调琴
206	蜀贾卖药	222	常羊学射
207	鸬鹚噪虎	222	虎狙
207	九尾狐	223	夜狸取鸡
208	南山之蛟	224	蹶叔三悔
209	象虎	225	玄石好酒
210	蟾蜍与蚶蜋	226	冀其重获
211	鸛鸟迁巢	226	以石为玉
212	食蛇	227	笼中之猿
212	周人好姣服	227	郑之躁人
213	陈稻与新稻	228	唐蒙和薜荔
213	医缓	229	鲁人窃糟
214	灵丘丈人	230	卖柑者言
216	夔与螯	231	人虎说
216	蜈蚣自大	232	以豕代耕
217	狙公失狙	233	渔人碎珠
218	披皮叱虎	234	乌鸦与蜀鸡
219	蚂蚁与龙	235	白雁落网
220	中山猫	236	纪侯好狙
220	蜈蚣	236	迂儒救火



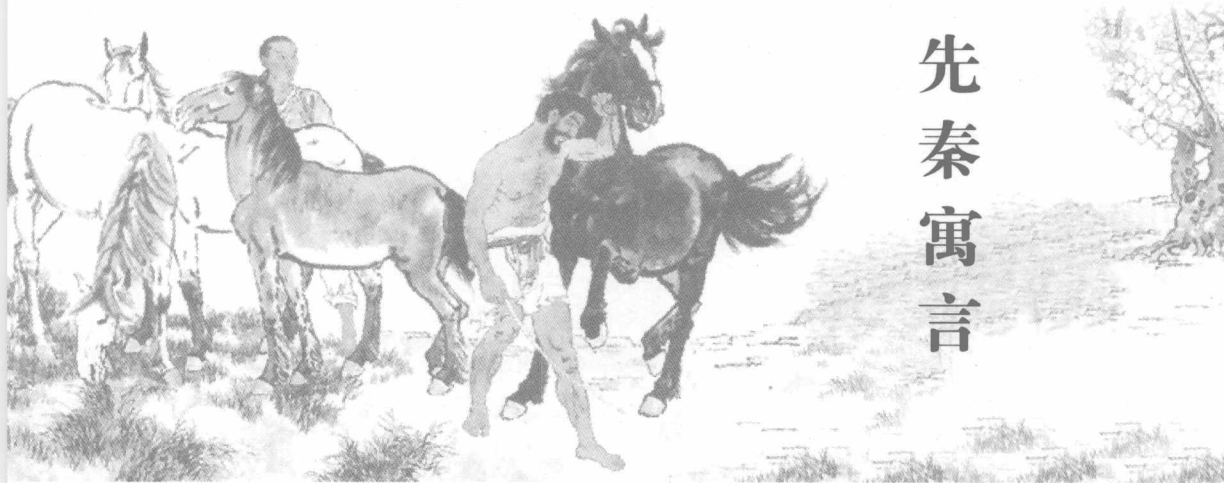
237	衣冠禽兽	254	南岐安瘰
239	以丑为妍	254	执泥绘像
240	越人溺鼠	255	猫号
240	郑人惜鱼	256	客套误事
241	束氏狸狌	257	酷爱奉承
242	矢人自得	257	牧竖拾金
242	申屠敦之鼎	258	自知而搔
243	焚鼠毁庐	258	僧在
244	身有至宝	259	奈何姓万
245	剜股藏珠	259	兄弟争雁
246	好利者	260	瞎子之苦
246	寒号虫	260	剗马肝
247	阿留守柳	261	修屋漏
247	矮榻缺足	261	羊裘在念
247	按图索骥	262	迂公毁楼
248	吾失足容	262	蚕与蜘蛛
248	假人	263	楚人不识姜
249	孔雀爱尾	263	自护其短
250	二技致富	264	脚痛委邻
250	健忘	264	外科医生
251	噬犬	265	王婆酿酒
252	小犬复仇	266	妄心
252	黠獠媚虎	267	造酒忘米
253	猩猩嗜酒	268	医驼背

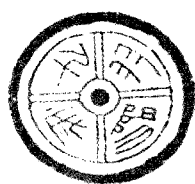


269	虎畏化缘	280	画皮
269	怪术	283	龙
270	丘浚打和尚	284	盗鸭
270	放生	285	贪狼食肉
271	一生读别字	285	螳螂斗蛇
271	蝙蝠骑墙	286	愿换手指
272	灭神无祸	287	方蛇
273	养鳧捕兔	287	莫砍虎皮
273	垛子助阵	287	蜀鄙二僧
274	吏人立誓	288	莽汉断棘
274	妙处难学	289	祛盗
275	猫祝鼠寿	289	戏蝎
275	岁寒三友	290	世无良猫
275	病女覆药	290	男女有别
276	山东公子	291	沿河求石
277	苗与雨	292	狼子野心
277	贾胡买石	292	恶鬼技穷
278	藏虱	293	姜三莽
278	车夫	294	海鸥与巷燕
279	大鼠	295	鸡卵

附录 / 297

先秦寓言







踩着虎尾 选自《周易·履》

眇能视，跛能履。履虎尾，咥人。

从前有个人，一只眼睛瞎了，偏认为自己视力好；腿瘸了，偏认为走路正常。结果他走到深山里，踩到了老虎尾巴，命丧虎口。



羝羊触藩 选自《周易·大壮》

羝羊触藩，羸其角。不能退，不能遂。

一头公羊用自己的角狠狠地去抵撞篱笆，结果被篱笆卡住了双角，既不能退，也不能进。



蹊田夺牛 选自《左传·宣公十一年》

牵牛以蹊人之田，而夺之牛。牵牛以蹊者，信有罪矣，而夺之牛，罚已重矣。

有个人牵着牛，踏坏了别人的庄稼，结果被论罪，夺了他的牛。牵牛毁田的人，确有过失；但因此便夺去他的牛，惩罚未免太重了。



雄鸡断尾 选自《左传·昭公二十二年》

宾孟适郊，见雄鸡自断其尾。问之，侍者曰：“自悼其牺也。”遽归告王，且曰：“鸡其悼为人用乎！”

宾孟是景王的大臣，有次到郊外，看到一只公鸡啄自己尾巴上漂亮的羽



毛。他就向随行的仆人询问原因。仆人说：“这只公鸡是怕自己做了祭品。”

宾孟由此得到启发，急忙回去把这件事告诉周景王，并且说：“雄鸡大概是怕被人利用啊！”



救火与放火 选自《墨子·耕柱》

巫马子谓子墨子曰：“子兼爱天下，未云利也；我不爱天下，未云贼也。功皆未至，子何独自是而非我哉？”子墨子曰：“今有燎者于此，一人奉水，将灌之；一人掺火，将益之。功皆未至，子何责于二人？”巫马子曰：“我是彼奉水者之意，而非夫掺火者之意。”子墨子曰：“吾亦是吾意，而非子之意也。”

有个叫巫马子的人，曾对墨子说：“您主张‘兼爱’，可人们并没有因此得到什么好处；我反对‘兼爱’，人们也没有因此受到什么害处。既然这两个观点都没有起到什么作用，您为什么还要坚持您的观点，而反对我呢？”

墨子回答道：“打个比方：有人放火烧东西。一个人提着水去灭火，另一个人燃着火把去助长火势，两个人的行动都没有达到目的，可您说这两个人谁对呢？”

巫马子毫不犹豫地说：“我当然赞同提水灭火的人，反对那助长火势的家伙。”

墨子笑着说：“既然如此，我当然是肯定‘兼爱’的主张，而反对您的观点啦。”



楚王好细腰 选自《墨子·兼爱》

昔者，楚王好士细腰。故灵王之臣，皆以一饭为节，胁息然后带，扶墙然后起。比期年，朝有黧黑之色。